

[V-6]

[वैदिक संस्कृति]

[Vedic Culture]

[1500 B.C - 600 B.C]

संस्थापक - आर्यलोग → कुलीन
[मुख्य विशेषता]

⇒ यह एक ग्रामीण सभ्यता थी। ये कच्चे मकानों में रहते थे।

⇒ इनका व्यवसाय पशुपालन। कृषि था।

⇒ गाय को पवित्र मानते थे।

⇒ कृषि - 1. जौ। Barley। यव

2. गोधूम। गेहूँ। Wheat

3. ब्रीडी। चावल। Rice

⇒ आर्यों का मूल निवास स्थान -

1. प्रो० मैक्समूलर - मध्य एशिया

2. बी० पी० तिलक - आर्कैटिक ध्रुव प्रदेश

↓
"आर्कैटिक होम ऑफ वेदाज"

3. दयानंद सरस्वती - तिब्बत

↓
"सत्यार्थप्रकाश"

4. अविनाश चंद्र दास - सप्त सैधव प्रदेश

	^{New}	→	^{Old}	
}	1. Saraswati	→	Sarasuti	सुरती
	2. Sindhu	→	Indus	इंडस
	3. Ravi	→	Parushini	पुरुष्णी
	4. Beas	→	Vipasa	विपासा
	5. Cherab	→	Asikini	अस्किनी
	6. Ghelum	→	Vitasta	वितस्ता
	7. Saktiyu	→	Sutudra	सुतुद्री

[चार वेद]

⇒ 1. [ऋग्वेद] - 1028 मंत्र। Hymns, 10 मंडल

I] साकल x

II] वारुकल y

III] बालाशिल्प z

→ पूजा के मंत्र।

→ छोटा अथवा बड़ा वर्ग

गायत्रामंत्र → 3 वर मंडल

↓

सवितृ / सविता / संध्या

(Godless of evening)

रचयिता - विष्वा मित्र ।

→ मंत्र - 250 मंत्र

→ जन - 275 वार

⇒ 2. [सामवेद] - 1810 मंत्र

↓

गेष / जेषुष - 1517 मंत्र

(गाये जाते थे)

→ सामवेद के स्वयं हैं। [मंत्रमंत्रों को रखा गया है]

→ गायन मंत्र हैं।

→ उद्गाता या उद्गातृ वर्ग (गाते वाले को)

⇒ 30 अध्याय

⇒ 40 अध्याय

⇒ 3. [यजुर्वेद / Yajurveda]

यजुष

↓

गद्य एवं पद्य

(Prose and Poetry)

→ शुक्ल यजुर् (पद्य)

1603 मंत्र 99 सूक्ति

↓
30 अध्याय

→ कृष्ण यजुर् (गद्य)

↓

20 अध्याय

⇒ यज्ञ के विधि-विधान के नियम हैं।

⇒ अर्ध्वर्षी वर्ग / Ardhwari (गाते वाले को)

⇒ [वेदत्रयी]

[ऋग्वेद
सामवेद
यजुर्वेद]

⇒ 4. [अथर्ववेद] → 5049 मंत्र | 8 लोक

↓

अथर्वामुनि

ने रचना की।

(6000)

→ 731 सूक्ति

[20 अध्याय

40 अध्याय

⇒ षाड्-दोने के मंत्र हैं। ⇒ इसे तीसरा महाकाव्य कहते

⇒ [रामायण / Ramayan] → वाल्मीकि (रत्नाकर)

⇒ महाभारत को 5वाँ वेद कहते हैं।

⇒

[4-उपवेद]

1. Ayurveda - Medicine - औषधि ← ऋग्वेद
2. Gandharvaveda - Music/Dance - नृत्य/गायन ← सामवेद
3. Dhanurveda - War Strategy - रणकोशल ← यजुर्वेद
4. Shilpiveeda - Architecture - वास्तु शिल्पिकी → अथर्ववेद

⇒

[6-वेदांग]

1. शिक्षा / Phonetics → वेदों की नाक
2. कल्प / Rituals → वेदों की हाथ
3. निरुक्त / Etymology → वेदों की बुद्धि
4. ह्यं / Metrics → वेदों का पैर
5. ज्योतिष / Astrology → वेदों की आँख
6. व्याकरण / Grammar → वेदों का मुख

⇒

⇒

[6-वेदांग]

- ब्रह्मण / Brahmanas → ⑨
 - अरण्यक / Aranyakas → ⑦ → No Aranyakas of Atharvaveda
 - उपनिषद् / Upanishads → ⑩
- वेदांग

⇒

मुण्डक उपनिषद्

↓
" सत्यमेव जयते "

⇒

[वैदिक काल / Vedic Age]

1. [पूर्व वैदिक काल / Early Vedic Age]

[1500 B.C - 1000 B.C]

ऋग्वेद - II to VII मण्डल

[ऋग्वेदिक काल]

⇒

कर्मप्रधान समाज था।

→ चार वर्गों में बँटा था-

- [I] पुरोहित वर्ग
- [II] योद्धा वर्ग
- [III] व्यापारी वर्ग
- [IV] श्रमिक वर्ग

⇒ व्यापारी वर्ग

↓
शासक वर्ग

⇒ यदु, अणु, दुह्य, त्रिस्तु.

दुर्वास ↓

पंचजन
(ये कबीले थे)

2. [उत्तर वैदिक काल / Later Vedic Age]

[1000 B.C. - 600 B.C.]

[ऋग्वेद - I, VIII, IX, X]

सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद

⇒ जाति पर आधारित समाज था।

→ 4 जातियाँ / Castes -

- [I] ब्राह्मण
- [II] क्षत्रीय
- [III] वैश्य
- [IV] शूद्र

→ पुरुषसूक्त (10 मण्डल) में जाति का प्रथम प्रयोग मिला।

⇒ अंतर्जातीय विवाह → Upper Caste Boy → Lower Caste Girl

[I] अनुलोम →

[II] प्रतिलोम → Upper Caste Girl → Lower Caste Boy

⇒ वैदिक समाज ⇒ द्विदुस्नत्तात्मक

↓
पिता → कुलप

⇒ 8 प्रकार के विवाह -

- [I] ब्रम्ह
 - [II] देव
 - [III] गंधर्व
 - [IV] प्रजापत्य
 - [V] आर्ष
 - [VI] असुर
 - [VII] राक्षस
 - [VIII] पैशाच
- धर्म विवाह (I-IV)
→ अधर्म विवाह (V-VIII)

⇒ धार्मिक दशा -

← 50 वर्ष → इन्द्र → पुरंदर

आँधी-बुझान के देवता

→ [प्राकृतिक पूजा]

→ [मूर्ति पूजा नहीं थी]

→ [वरुण, मातृति, अग्नि, उषा, खावित्री (शाम की देवी), सूर्य, चंद्र, आकाश]

⇒ राजसूय यज्ञ - राजा के राजतिलक के स्वयं।

⇒ अश्वमेध यज्ञ - यह शक्ति का प्रतीक था।

⇒ वाजपेय यज्ञ - रथ-दौड़ प्रतियोगिता - राजकुमारों में।

⇒

4 वर्ण आश्रम

- [I] ब्रह्मचर्य → (25)
- [II] गृहस्थ → (26-50)
- [III] वानप्रस्थ → (50-75)
- [IV] संन्यास → (76-100)

100 वर्ष

↓
[ब्राह्मण
क्षत्रिय
वैश्य]

⇒

राजनीतिक दशा -:

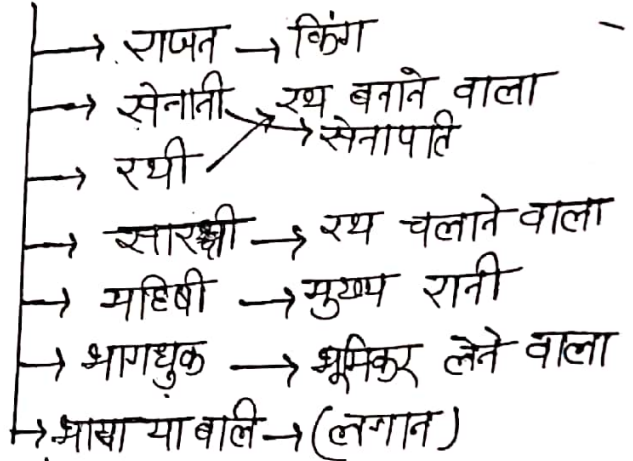
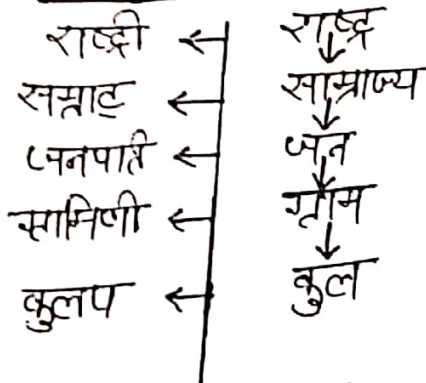
→ जन

जनपति → कबीले का मुखिया

⇒ वैश्यवर्ग → शासकवर्ग

⇒

राजनीतिक संगठन



- समा -! राजा की निजी संस्था
- समिति -! गाँव की समिति
- विदय -! (नहीं दिया है)

⇒ आर्थिक दशा -:

- गाय -! अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी
- कृषि -! मुख्य व्यवसाय था।
- व्यापार → Barley/जौ
- Wheat/गेहूँ
- Rice/चावल

⇒ व्यापार मध्य एशिया से किया जाता था।

→ विदित घासित मृदाण का भी सप्लार होत था।

→ साथवाध -! व्यापारी समूह के मुखिया।